



बिहार गजट

असाधारण अंक

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

26 कार्तिक 1933 (श०)
(सं० पटना 642) पटना, बृहस्पतिवार, 17 नवम्बर 2011

जल संसाधन विभाग

अधिसूचना

26 सितम्बर 2011

सं० 22/नि०सि०(मुक०)—सिवान—19-21/2011/1196—श्री मुन्नीलाल रंजक, तत्कालीन कार्यपालक अभियन्ता, सारण नहर प्रमण्डल, गोपालगंज के विरुद्ध नहर संचालन में नियुक्त मजदूरों का भुगतान सादे कागज पर प्रमाणक के तौर पर करने, प्रमण्डलीय चतुर्थकर्मियों के वर्दी मद में 44,700 रु० की निकासी कर वर्दी खरीदने एवं बिक्री संबंधी पंजी अपने पास रखने आदि आरोपों के लिए बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली 2005 के नियम-17 के तहत विभागीय ज्ञापांक 734, दिनांक 13 जुलाई 2006 द्वारा विभागीय कार्यवाही प्रारम्भ की गयी।

जॉच पदाधिकारी से प्राप्त जॉच प्रतिवेदन की समीक्षा विभाग के स्तर पर की गयी तथा प्रथम आरोप प्रमाणित पाया गया जिसमें मजदूरों का भुगतान सादे कागज पर किये जाने का गंभीर आरोप है।

उक्त प्रमाणित आरोप के लिए श्री रजक को निम्नदण्ड देने का निर्णय लिया गया:—

(1) निन्दन वर्ष 2003-04

(2) दो वेतनवृद्धि पर असंयचात्मक प्रभाव से रोक।

विभागीय अधिसूचना सं० 527, दिनांक 10 जुलाई 2008 द्वारा श्री मुन्नीलाल रंजक, तत्कालीन कार्यपालक अभियन्ता को उपर्युक्त दण्ड संसूचित किया गया। उक्त दण्डादेश के विरुद्ध श्री रजक द्वारा माननीय उच्च न्यायालय में सी० डब्लू० जे० सी० सं०-6967/2009 दायर किया गया जिसमें माननीय उच्च न्यायालय द्वारा दिनांक 2 अगस्त 2011 को न्याय निर्णय पारित हुआ जिसमें निम्न निदेश दिया गया:—

The order of punishment dated 10th July 2008 in its present form is therefore not sustainable in law and is set aside.

The matter is remanded to the disciplinary authority to proceed afresh from the stage of the submission of the enquiry report, if so advised.

माननीय उच्च न्यायालय द्वारा दिये गये निदेश के आलोक में पूरे मामले की समीक्षा विभाग के स्तर पर की गयी। समीक्षोपरान्त विभागीय दण्डादेश सं० 527, दिनांक 10 जुलाई 2008 को निरस्त करते हुए पुनः न्यायादेश के अनुरूप जाँच पदाधिकारी से प्राप्त जाँच प्रतिवेदन के स्तर से फ्रेश कारवाई करने का निर्णय लिया गया है।

उक्त विभागीय निर्णय के आलोक में

(1) विभागीय दण्डादेश सं० 527, दिनांक 10 जुलाई 2008 को निरस्त किया जाता है।

(2) श्री रजक के विरुद्ध संचालन पदाधिकारी से प्राप्त जाँच प्रतिवेदन की समीक्षा एवं सरकार द्वारा लिये जाने वाले निर्णय से यह आदेश प्रभावित होगा।

उक्त निर्णय श्री मुन्नीलाल रंजक, तत्कालीन कार्यपालक अभियन्ता को संसूचित किया जाता है।

बिहार—राज्यपाल के आदेश से,

भरत झा,

सरकार के उप—सचिव।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,

बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।

बिहार गजट (असाधारण) 642-571+10-डी०टी०पी०।

Website: <http://egazette.bih.nic.in>